''सदन में संसद सदस्यों के अधिकारों का संरक्षण सम्बधित नियमों और प्रक्रियाओं के अंतर्गत किया जाएगा'': लोकसभा अध्यक्ष

नई दिल्ली, 21 जून 2019: संसदीय लाइब्रेरी भवन में मीडियाकर्मियों से बात करते हुए लोकसभा अध्यक्ष श्री ओम बिरला ने कहा कि सदन में संसद सदस्यों के अधिकारों का संरक्षण सम्बधित नियमों और प्रक्रियाओं के अंतर्गत किया जाएगा।

इस अवसर पर श्री बिरला ने कहा कि हमारा लोकतंत्र विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र है और देश के 91 करोड़ लोगों ने जिसमें बड़ी संख्या में लगभग 44 करोड़ महिलाओं ने भीषण गर्मी में उत्साह व उमंग के साथ मतदान कर लोकतंत्र मे अपना विश्वास जताया है। उन्होंने कहा कि हमें संविधान की सच्ची भावना और जनता की आशाओं और आकांक्षाओं को ध्यान में रखते हुए लोकतांत्रिक व्यवस्था को चलाना है जिसके लिए हम सभी प्रतिबद्ध हैं।

प्रजातंत्र में पारदर्शिता और उत्तरदायित्व पर बल देते हुए श्री बिरला ने कहा कि संसद की गरिमा का संरक्षण संसदीय प्रणाली की मूलभूत आवश्यकता है। उन्होने इस बात पर बल दिया कि पहली बार चुने हुए सांसदों को अपनी बात रखने का पूरा अवसर दिया जाना चाहिए।

उन्होने आगे कहा कि मीडिया का संसदीय प्रणाली में महत्वपूर्ण भूमिका है और मीडियाकर्मियों से आग्रह किया कि संसद की रिपोर्टिंग करते समय इस बात का ध्यान रखें कि सदन में होने वाली सार्थक चर्चा और बहस जिसके लिए सांसद बहुत होमवर्क करते है उसे उचित स्थान मिले। इससे सांसदों का मनोबल बढ़ेगा और साथ ही संसद की गरिमा भी बढ़ेगी।

संसदीय लाइब्रेरी के कार्यकरण को सुदृढ़ और आधुनिक बनाने की आवश्यकता पर बल देते हुए श्री बिरला ने कहा कि इसकी सेवाओं को डिजिटाइजेशन के माध्यम से ओर अधिक आधुनिक बनाया जाएगा। साथ ही यह भी प्रयास रहेगा कि विश्व की श्रेष्ठतम लाइब्रेरियों से प्रेरणा लेकर इसके कार्य और सेवाओं में ओर बेहतर किया जाएगा।

श्री बिरला ने जोर देकर कहा कि समितियों में चर्चा का संसद के कामकाज में महत्वपूर्ण स्थान है। उन्होंने आश्वासन दिया कि समितियों की भूमिका को अधिक सबल बनाया जायेगा, जिससे कार्यपालिका के कार्यों की उचित समीक्षा हो सकें।

इससे पहले संसद भवन में अंतराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर कार्यक्रम में श्री बिरला ने केन्द्रीय मंत्रियों, 134 सांसदों और लोकसभा तथा राज्यसभा सचिवालय के अधिकारियों और अन्य वरिष्ठजनों के साथ योगाभ्यास किया। इस अवसर उन्होंने राष्ट्र और नागरिकों के सर्वागिण विकास में योग की महत्ता पर बल दिया और आशा व्यक्त कि योग जनादोंलन के रूप में भारतवर्ष को निरोग और स्फूर्तिपूर्ण बनाएगा।